शोध से व्यावहारिक समस्याओं का समाधान

कॉमर्स एवं बिजनेस स्टडीज मदरहुड विश्वविद्यालय के संकाय कॉमर्स एवं बिजनेस स्टडीज के कार्यक्रम में मौजूद लोग।

मदरहुड विश्वविद्यालय में अनुसंधान पर कार्यशाला

● जनवाणी संवाददाता, भगवानपुर

आज कॉमर्स एवं बिजनेस स्टडीज मदरहुड विश्वविद्यालय के संकाय कॉमर्स एवं बिजनेस स्टडीज द्वारा विषय अनुसंधान क्रियाविधि अवधरणा के लिये अभिविन्यास कार्यशला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में डा. शरत शर्मा जो एसआरएम विश्वविद्यालय में प्रबंधन अध्ययन के प्रमुख है, उन्होने शोध विधार्थी एवं मदरहुड विश्वविद्यालय के संकायों को अच्छा शोध करने के तरीके एवं शोध पद्वति के विषय में बताया, शोध समस्या का किस तरह पता लगावा जाय तथा उसके समाधान पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इसके अलावा उन्होनें शोध कार्य में अनुसधांन डिजाइन और इसके महत्व पर अपने प्रमुखता से प्रकाश डाला, साथ ही उन्होने अनुसधांन विद्वानों को डाटा संग्रह और अनुसधांन के लिए सर्वेक्षण से संम्पर्क करने के तरीके भी सिखायें। डा. शर्मा ने अनुसधांन विधान के साथ अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए अनुसधांन कितना महत्वपूर्ण है, एवं आज की दुनियां की अनुसधांन के बिना आगे बढ़ना असम्भव है। कार्यशाला में शोध विद्याथीयों ने अपने विचारों को रखते हुए अपनी जिज्ञासा के अनुसार बहुत ही प्रश्न डा. शर्मा को किए जिनका उत्तर उनके द्वारा दिया गया। इस अवसर पर उन्होने शोध विद्याथीयों का आवहान किया कि वे लगन के साथ अपने अनुसंधान कार्य करें। डा. पीके अग्रवाल जी अधिष्ठाता संकाय कॉमर्स एवं बिजनेस स्टडीज ने डा. शरत शर्मा को धन्यवाद देते हुए, उनके द्वारा बताये संकल्पना पर और अध्ययन करके अनुसरण करने की सलाह दी। इस कार्यशाला में अधिष्ठाता डा. अनिल कपिल, डा. एसबी शर्मा, डा. वीके शर्मा, डा. सतोंष वर्मा, डा. विनोद बिष्ट तथा मदरहुड विवि के अन्य अध्यापक भी उपस्थित रहे। इस कार्यशाला को सफल बनाने में सकांय शिक्षक अमित पवांर, मधु रानी, गार्गी शर्मा, अभिषेक शर्मा, करूणा धीमान, सुशील गौतम, हेमन्त का बहुमुल्य योगदान रहा।

अच्छे शोध के तरीके और शोध पद्धति बताई

रुड़की। मदरहुड विश्वविद्यालय के कॉमर्स एवं बिजनेस स्टडीज संकाय ने अनुसंधान क्रिया विधि अवधारणा को लेकर सेमिनार किया। इसमें शोध को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई।

डॉ. शरत शर्मा ने शोध छात्रों को अच्छे शोध के तरीके और शोध पद्धति के बारे में बताया। साथ ही शोध कार्य में अनुसंधान डिजाइन का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के विकास के लिए अनुसंधान बहुत महत्वपूर्ण है।

इस मौके पर डॉ. पीके अग्रवाल, डॉ. अनिल कपिल, डॉ. वीके शर्मा, डॉ. संतोष वर्मा, डॉ. विनोद बिष्ट, अमित पंवार, मधुरानी, गार्गी शर्मा, अभिषेक शर्मा, करुणा धीमान, सुशील कुमार गौतम, हेमन्त उपस्थित रहे।

रुड़की के मदरहुड विश्वविद्यालय में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोग। ● हिन्दुस्तान

मदरहुड विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी ● आयोजक संस्था

अनुसंधान के संबंध में दी जानकारी

जागरण संवाददाता, रुड़की: मदरहुड विश्वविद्यालय में शनिवार को कॉमर्स एवं बिजनेस स्टडीज की ओर से एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में शोध के संबंध में जानकारी दी गई।

शनिवार को आयोजित कार्यशाला में एसआरएम विश्वविद्यालय में प्रबंध अध्ययन के प्रमुख डॉ. शरद शर्मा ने कहा कि अच्छे शोध करने के लिए सबसे पहले विषय स्पष्ट होना चाहिए। विषय स्पष्ट होने के बाद उससे जुड़ी सहायक सामग्री के बारे में जानकारी जुटाना आवश्यक है। साथ ही शोध कार्य से पहले उसके डाटा की सही जानकारी होना जरूरी है। इसके बाद छात्रों ने शोध से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे, जिसका डॉ. शरद शर्मा ने जवाब दिया। इस मौके पर डॉ. पीके अग्रवाल ने कहा कि शोध छात्रों के लिए यह कार्यशाला बेहद उपयोगी साबित होगी। इस मौके पर डॉ. अनिल कपिल, डॉ. वीके शर्मा, डॉ. संतोष वर्मा, डॉ. विनोद बिष्ट ने भी विचार व्यक्त किए। इस मौके पर अमित पंवार, मधुरानी, गार्गी, अभिषेक शर्मा, कुरुणा धीमान, सुशील कुमार गौतम आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय
सहारा
राष्ट्रीयत ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

■ देहरादून ■ नई दिल्ली ■ लखनऊ
■ पटना ■ कानपुर ■ वाराणसी से

देहरादून
सोमवार ● 13 जनवरी ●
पृष्ठ 16, वर्ष-13, अंक 4418, मूल्य

अनुसंधान पर कार्यशाला का आयोजन

■ रुड़की/एसएनबी। मदरहुड विश्वविद्यालय के संकाय कॉमर्स एवं बिजनेस स्टडीज ने अनुसंधान क्रिया विधि अवधरणा के लिए अभिविन्यास विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया।

इस कार्यशाला में एसआरएम विश्वविद्यालय में प्रबंधन अध्ययन के प्रमुख डा. शरत शर्मा ने शोध विधार्थी व मदरहुड विवि के संकायों को अच्छा शोध करने के तरीके एवं शोध पद्धति के विषय में बताया। शोध समस्या का किस तरह पता लगाया जाए तथा उसके समाधान पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इसके अलावा उन्होंने शोध कार्य में अनुसधांन डिजाइन और इसके महत्व पर अपने प्रमुखता से प्रकाश डाला। साथ ही उन्होने अनुसधांन विद्वानों को डाटा संग्रह और अनुसधांन के लिए सर्वेक्षण से संम्पर्क करने के तरीके भी सिखाए। कार्यशाला में शोध विद्यार्थियों के सवालों के डा. शर्मा ने जवाब दिये। इस अवसर पर कॉमर्स एवं बिजनेस स्टडीज संकाय के अधिष्ठाता डा. पीकेअग्रवाल ने डा. शरत शर्मा का आभार जताया।

रुड़की : मदरहुड विवि में हुई कार्यशाला में शामिल अध्यापक।